

JK

Roll No. \_\_\_\_\_

Question Booklet Number

O.M.R. Serial No. :

--	--	--	--	--	--	--	--

--

## M.A. IV Semester (NEP) Examination, 2025-26

संस्कृत

पूर्वमीमांसा एवं बौद्ध दर्शन (दर्शन वर्ग)

(Elective)

Paper Code							
A	0	2	1	0	0	9	T

Question Booklet Series

**B**

Time : 1 : 30 Hours ]

[ Maximum Marks : 75

### Instructions to the Examinee :

1. Do not open the booklet unless you are asked to do so.
2. The booklet contains 100 questions. Examinee is required to answer 75 questions in the OMR Answer-Sheet provided and not in the question booklet. **All** questions carry equal marks.
3. Examine the Booklet and the OMR Answer-Sheet very carefully before you proceed. Faulty question booklet due to missing or duplicate pages/questions or having any other discrepancy should be got immediately replaced.
4. Four alternative answers are mentioned for each question as – A, B, C & D in the booklet. The candidate has to choose the correct answer and mark the same in the OMR Answer-Sheet as per the direction :

(Remaining instructions on the last page)

### परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

1. प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक आपसे कहा न जाए।
2. प्रश्न-पुस्तिका में 100 प्रश्न हैं। परीक्षार्थी को 75 प्रश्नों को केवल दी गई OMR आन्सर-शीट पर ही हल करना है, प्रश्न-पुस्तिका पर नहीं। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर अंकित करने से पूर्व प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR आन्सर-शीट को सावधानीपूर्वक देख लें। दोषपूर्ण प्रश्न-पुस्तिका जिसमें कुछ भाग छपने से छूट गये हों या प्रश्न एक से अधिक बार छप गए हों या उसमें किसी अन्य प्रकार की कमी हो, तो उसे तुरन्त बदल लें।
4. प्रश्न-पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के चार सम्भावित उत्तर- A, B, C तथा D हैं। परीक्षार्थी को उन चारों विकल्पों में से सही उत्तर छँटना है। उत्तर को OMR उत्तर-पत्रक में सम्बन्धित प्रश्न संख्या में निम्न प्रकार भरना है :

(शेष निर्देश अन्तिम पृष्ठ पर)

**Rough Work**  
रफ़ कार्य

1. उन (चारों प्रकार की विधियों) में (याग आदि) कर्म के केवल स्वरूप के बोधक विधि को क्या कहते हैं।
  - (A) उत्पत्तिविधि
  - (B) कला विधि
  - (C) विनियोग
  - (D) प्रयोग
2. "अङ्गप्रधानसंबन्धबोधको विधि:"
  - (A) प्रयोग
  - (B) विनियोग विधि:
  - (C) उत्पत्ति
  - (D) अधिकारि
3. विनियोगविधि के सहायक कितने प्रमाण हैं।
  - (A) आठ
  - (B) चार
  - (C) छः
  - (D) दो
4. "तत्र निरपेक्षो खः .....।"
  - (A) वेदार्थ
  - (B) वेदान्त
  - (C) ब्राह्मण
  - (D) श्रुति:
5. श्रुति के तीन प्रकार के अन्तर्गत नहीं आता है-
  - (A) विधात्री
  - (B) गंगोत्री
  - (C) अभिधात्री
  - (D) विनियोक्त्री
6. विनियोक्तश्रुति कितने प्रकार की होती है-
  - (A) तीन
  - (B) छः
  - (C) नौ
  - (D) एक
7. 'सर्वदर्शनसंग्रहः' के रचयिता आचार्य कौन हैं?
  - (A) सायणाचार्य
  - (B) माधवाचार्य
  - (C) गजानन
  - (D) रूप्यक
8. प्रमाण से जिसकी सिद्धि की जाती है उसे कहते हैं-
  - (A) प्रमेय
  - (B) कला
  - (C) प्रमात्री
  - (D) गवेषणा
9. आर्य सत्य कितने माने गये हैं।
  - (A) चार
  - (B) पाँच
  - (C) छः
  - (D) सात

10. "कार्यकारणभावाद्वा स्वभावाद्वा नियामकात्।  
अविनाभावनियमोऽदर्शनात् न .....।।"
- (A) मुक्तिः  
(B) दर्शनात्  
(C) युक्तिः  
(D) कारण
11. अविनाभाव ..... का ही दूसरा नाम है।
- (A) कारण  
(B) करण  
(C) व्याप्ति  
(D) ज्ञान
12. अन्वय और व्यतिरेक-विधियाँ किसका निश्चय करती हैं।
- (A) कार्य  
(B) कारण  
(C) प्रमा  
(D) अविनाभाव (व्याप्ति)
13. उदयनाचार्य की रचना है-
- (A) कुसुमाञ्जलि  
(B) देवप्रसून  
(C) कृतिका  
(D) मुखमण्डल
14. पंचकारिणी विधि (सर्वदर्शन संग्रह) का निर्माण किसने किया है-
- (A) सांख्य  
(B) बौद्धों  
(C) योग  
(D) न्याय
15. तादात्म्य का निश्चय करने के बाद भी ..... का निश्चय होता है।
- (A) अविनाभाव  
(B) ज्ञान  
(C) अग्नि  
(D) अज्ञान
16. .... का अर्थ है, उसके स्वरूप में रहना, दो वस्तुओं का अभेद सम्बन्ध।
- (A) तदा  
(B) तादात्म्य  
(C) आत्म  
(D) अनुष्ठान
17. 'एकाकिनी .....हि प्रतिज्ञातं न साधयेत्।'।
- (A) प्रतिज्ञा  
(B) प्रति  
(C) ज्ञा  
(D) ति

18. प्रमाणान्तर सामान्यस्थितेरन्यधियो गतेः।  
“प्रमाणान्तर सद्भावः .....कस्यचित्।”
- (A) विधि  
(B) प्रतिषेधाच्च  
(C) मंत्र  
(D) नामधेय
19. ते च बौद्धाश्चतुर्विधया भावनया .....  
कथयन्ति।
- (A) अर्थवादं  
(B) ज्ञानं  
(C) परमपुरुषार्थं  
(D) कथां
20. निम्नलिखित में से बौद्धदर्शन से सम्बद्ध है-
- (A) माध्यमिक  
(B) योगाचार  
(C) सौत्रान्तिक  
(D) उपर्युक्त सभी
21. सर्वदर्शनसंग्रहः के अनुसार सर्वशून्यत्ववाद किस  
सम्प्रदाय का मत है?
- (A) माध्यमिक  
(B) जैन  
(C) सांख्य  
(D) योग
22. सर्वदर्शनसंग्रहः के अनुसार बाह्य-पदार्थों का  
प्रत्यक्ष से ज्ञान होना किस सम्प्रदाय का मत है-
- (A) न्याय  
(B) वैभाषिक  
(C) वैशेषिक  
(D) सांख्य
23. बाह्यपदार्थों का अनुमान से ज्ञान किस सम्प्रदाय  
का मत है-
- (A) न्याय  
(B) मीमांसा  
(C) सौत्रान्तिक  
(D) वेदान्त
24. किस दर्शन में आर्य सत्त्यों का प्रयोग हुआ है?
- (A) जैन  
(B) बौद्ध दर्शन  
(C) न्याय  
(D) सांख्य
25. परस्पर विरोधे हि न .....।  
नैकतापि विरुद्धानामुक्तिमात्र विरोधतः।। (कुसु.)
- (A) कथयति  
(B) नश्यति  
(C) प्रकारान्तरस्थितिः  
(D) करोति

26. .... हेतु उसे कहते हैं जब हेतु या अनुमान का साधन साध्य के समान ही सिद्धि की अपेक्षा करे, उसकी सत्ता सन्दिग्ध हो।
- (A) असिद्ध  
(B) सिद्ध  
(C) आश्रित  
(D) साध्य
27. क्षणिकवाद स्वीकार करता है-
- (A) न्याय  
(B) बौद्ध  
(C) मीमांसा  
(D) वेदांत
28. आस्तिक दर्शन नहीं है .....
- (A) जैन  
(B) सांख्य  
(C) योग  
(D) न्याय
29. "सर्वम् दुःखं दुःखम्" किसकी भावना है।
- (A) जैनों  
(B) बौद्धों  
(C) नैयायिकों  
(D) वेदान्तियों
30. शून्यवाद या माध्यमिक सम्प्रदाय की स्थापना किसने की
- (A) नागार्जुन  
(B) कालिजय  
(C) जयद्रथ  
(D) अश्वत्थामा
31. योगाचार का दूसरा नाम ..... है।
- (A) शून्य  
(B) विज्ञानवाद  
(C) अर्थ  
(D) कर्म
32. "यथोक्तं बाह्यं वस्तुजातं नास्तीति" तदयुक्तम्।। यह कौन सा सम्प्रदाय मानता है-
- (A) सौत्रान्तिक मत  
(B) नैयायिक  
(C) वेदान्तिक  
(D) मीमांसा
33. बाह्यर्थ ..... नहीं, अनुमेय है।
- (A) परोक्ष  
(B) प्रत्यक्ष  
(C) विनय  
(D) अनुनय

34. अर्थेन घटयत्येनां न हि मुक्त्वार्थरूपताम्।

तस्मात्प्रमेयाधिगतेः \_\_\_\_\_ मेयरूपता।।”

- (A) प्रमाणं
- (B) क्रियताम्
- (C) आश्रिता
- (D) करोति

35. 'आलम्बन-समनन्तर-सहकारी-अधिपति' ये क्या हैं-

- (A) अज्ञान
- (B) ज्ञान के चार प्रसिद्ध कारण
- (C) योग
- (D) विज्ञान

36. "सोऽयं चित्तचैत्तात्मकः स्कन्धः ..... रूप-  
-विज्ञान- वेदना-संज्ञा संस्कारसंज्ञकः।”

- (A) त्रिविधो
- (B) द्विविधो
- (C) पञ्चविधो
- (D) सप्तविधो

37. 'दुःख, समुदाय, निरोध, मार्ग' .....ये क्या हैं

- (A) चार आर्य सत्य
- (B) जैन मार्ग
- (C) न्याय सत्य
- (D) सांख्य मत

38. "शब्दसामर्थ्य .....।”

- (A) प्रमाणं
- (B) लिङ्गम्
- (C) क्रिया
- (D) प्रमा

39. वाक्य किसे कहते हैं .....

- (A) समभिव्याहारो वाक्यम्
- (B) वाचक
- (C) क्रियार्थ
- (D) क्रियमाण

40. समाख्या यौगिकः शब्दः ।सा च .....।।

- (A) पञ्चधा
- (B) द्विविधा
- (C) त्रिधा
- (D) एकधा

41. "..... विधिः प्रयोगविधिः।”

- (A) प्रयोग प्राशुभावबोधको
- (B) विनियोग
- (C) अर्थवाद
- (D) निषेध

42. 'पदार्थबोधकवाक्यानां यः क्रमः स .....।' (A) विधिवाक्य (B) सामग्री (C) पाठक्रमः (D) निषेधार्थ
43. स्थान का अर्थ है .....होना। (A) उपस्थित (B) गाना (C) सोना (D) खाना
44. (यागादि) कर्म से उत्पन्न होने वाले (स्वर्गादि) फल के स्वामित्व का ज्ञान कराने वाली विधि है। (A) प्रयोगविधि (B) निषेध (C) अर्थवाद (D) अधिकार विधि
45. कर्मानुष्ठान से सम्बद्ध अर्थ, द्रव्य, देवता आदि का स्मरण कराने वाला वेद भाग है- (A) मन्त्र (B) निषेध (C) अर्थवाद (D) विधि
46. '..... च विधेयार्थपरिच्छेदकतयाऽर्थवत्वम्।' (A) विधि (B) नामधेयानां (C) मन्त्र (D) निषेध
47. पुरुष को (कर्मविशेष से) मना करने वाला वाक्य है। (A) निषेध वाक्य (B) विनियोग (C) विधिवाक्य (D) अर्थवाक्य
48. प्रशंसा और निन्दा में से एक का प्रतीपादक वाक्य है। (A) निषेध (B) अर्थवाद (C) विधि (D) वेद
49. अर्थवाद कितने प्रकार का होता है (A) पाँच (B) चार (C) दो (D) एक
50. ऋग्वेद में कितने अष्टक हैं। (A) आठ (B) पाँच (C) सात (D) दस

51. सबसे नवीन वेद है।  
(A) अथर्ववेद  
(B) ऋग्वेद  
(C) यजुर्वेद  
(D) सामवेद
52. मीमांसा का एक अन्य प्रचलित नाम है।  
(A) वेद साहित्य  
(B) साहित्य  
(C) पूर्वमीमांसा  
(D) वेदांग
53. ऋग्वेद में कितने मण्डल हैं।  
(A) 8  
(B) 10  
(C) 7  
(D) 20
54. सबसे प्राचीन वेद कौन सा है।  
(A) ऋग्वेद  
(B) यजुर्वेद  
(C) सामवेद  
(D) अथर्ववेद
55. वेद कितने हैं।  
(A) 5  
(B) 3  
(C) 4  
(D) 2
56. वाचस्पतिमिश्र मीमांसा को किसका वाचक 'स्वीकार' करते हैं।  
(A) कर्म  
(B) कथा  
(C) पूजितविचार  
(D) प्रतिमुख
57. भामती टीका किसकी है।  
(A) वाचस्पति मिश्र  
(B) कम्बन  
(C) रवीन्द्र  
(D) गोरखनाथ
58. मान् धातु से सन् और स्त्रीत्व की विवक्षा में टाप् प्रत्ययों के योग से कौन सा शब्द निष्पन्न होता है।  
(A) मीमांसा  
(B) मीमा  
(C) मीमान्  
(D) मांसा

59. उत्तरमीमांसा वेद के अन्तिम भाग ..... से सम्बद्ध है।

- (A) उत्तरांश उपनिषद्
- (B) ब्राह्मण
- (C) आरण्यक
- (D) नाटक

60. मीमांसा ..... से सम्बद्ध है

- (A) रामायण
- (B) कर्मकाण्ड अर्थात् वेदों के पूर्व भाग
- (C) मेघदूत
- (D) वेद

61. अर्थसंग्रह किसकी रचना है।

- (A) कम्मन
- (B) नारायण
- (C) लौगाक्षिभास्कर
- (D) व्यास

62. लौगाक्षिभास्कर का वास्तविक नाम क्या था।

- (A) नारद
- (B) ब्रह्म
- (C) अश्वघोष
- (D) भास्कर

63. लौगाक्षिभास्कर का कुलनाम था।

- (A) लौगाक्षि
- (B) भानु
- (C) अक्षि
- (D) लौग

64. तर्क कौमुदी के रचनाकार कौन है।

- (A) कालिदास
- (B) लौगाक्षिभास्कर
- (C) भारवि
- (D) राजेन्द्र मिश्र

65. लौगाक्षिभास्कर के पिता कौन थे।

- (A) अश्वत्थामा
- (B) कृपाचार्य
- (C) मुद्गल
- (D) नारायण

66. 'अर्थसंग्रह' किससे सम्बन्धित है।

- (A) जैन
- (B) बौद्ध
- (C) न्याय
- (D) मीमांसा

67. 'तर्ककौमुदी' सम्बन्धित है।

- (A) वैशेषिक दर्शन से
- (B) वेदान्त
- (C) जैन
- (D) बौद्ध

68. अर्थसंग्रह एक ..... ग्रन्थ है।

- (A) प्रकरण
- (B) कथा
- (C) नाटक
- (D) कहानी

69. तर्ककौमुदी किस प्रकार का ग्रन्थ है।

- (A) काव्य
- (B) प्रकरण
- (C) नाटक
- (D) महाकाव्य

70. "कौमुदी" व्याख्या (टीका) किसकी है-

- (A) वृषभदेव
- (B) नारद
- (C) रामेश्वर शिवयोगी
- (D) जयदेव

71. कृष्णनाथ न्याय पंचानन की टीका है-

- (A) कृतिका
- (B) लिंगायतन
- (C) मधुमती
- (D) प्रतिपादिका

72. श्रीप्रमथनाथ तर्कभूषण की टीका है-

- (A) अमला
- (B) कालका
- (C) कालजयी
- (D) सुबोध

73. 'लोचन' हिन्दी टीका किसकी है-

- (A) केशव प्रसाद
- (B) डॉ. वाचस्पति मिश्र
- (C) कालिदास
- (D) रविशंकर

74. पण्डित श्रीपट्टाभिराम शास्त्री द्वारा लिखित टीका हैं-

- (A) ध्वन्यालोक
- (B) अलंकार सर्वस्व
- (C) अर्थालोक
- (D) रामायण

75. "वासुदेवं रमाकान्तं नत्वा .....।"

कुरुते जैमिनिनये प्रवेशायार्थसंग्रहम्।।

- (A) लौगाक्षिभास्करः
- (B) मनुः
- (C) याज्ञवल्क्यः
- (D) वाचक

76. 'अर्थसंग्रह ग्रन्थ' के मंगलाचरण में किसकी स्तुति की गयी है-
- (A) लक्ष्मीपति विष्णु  
(B) शिव  
(C) पार्वती  
(D) नारद
77. 'अथातो धर्मजिज्ञासा' सूत्र में 'अथ' शब्द का अर्थ क्या है-
- (A) वेद के अध्ययन के आनन्तर्य का वाचक  
(B) अन्त  
(C) आदि  
(D) काल
78. 'मीमांसा सूत्र' ग्रन्थ में कितने अध्याय हैं।
- (A) पन्द्रह  
(B) बारह  
(C) बीस  
(D) पच्चीस
79. धर्म का लक्षण है-
- (A) यागादिरेव धर्मः  
(B) जायते  
(C) नश्यते  
(D) क्रियते
80. 'चोदानां लक्षणोऽर्थो धर्मः' किसमें वर्णित है।
- (A) रामायण  
(B) जैमिनीसूत्र 1-1-2  
(C) मनु  
(D) अर्थशास्त्र
81. 'यजेत स्वर्गकामः' में आया स्वर्ग पद वाचक है।
- (A) कर्म  
(B) धन  
(C) लक्ष्य का  
(D) अर्थ
82. 'यजेत स्वर्गकामः' एक ..... है।
- (A) वेदवाक्यं  
(B) सरल  
(C) क्लिष्ट  
(D) क्रियमाण
83. 'भावना नाम' ..... भावयितुर्व्यापारविशेषः।
- (A) भवति  
(B) भवितुर्भवनानुकूलो  
(C) भव  
(D) भावःकरोति

84. भावना कितने प्रकार की है-

- (A) पाँच
- (B) चार
- (C) दो
- (D) छः

85. 'व्यक्ति की प्रवृत्ति का जनक अथवा सहायक' प्रयोजक का व्यापारविशेष है-

- (A) शाब्दीभावना
- (B) क्रय
- (C) कला
- (D) आर्थिभावना

86. शाब्दीभावना सामान्यतः .....प्रकार की हो जाती है वैदिकी लोकिकीच

- (A) पाँच
- (B) दो
- (C) चार
- (D) सात

87. "न कश्चित् वेदकर्ता च वेदस्मर्ता पितामहः।  
तथैव .....स्मरति मनुः कल्पान्तरान्तरे।"

- (A) धर्म
- (B) कर्म
- (C) अर्थ
- (D) मोक्ष

88. शाब्दी भावना कितने अंशों की अपेक्षा करती है-

- (A) पाँच
- (B) तीन
- (C) सात
- (D) नौ

89. आर्थिभावना शाब्दीभावना का ..... हैं।

- (A) अर्थ
- (B) कर्म
- (C) साध्य
- (D) धर्म

90. शाब्दीभावना के अंशत्रय नहीं हैं-

- (A) किंभावयेत्
- (B) केनभावयेत्
- (C) कथं भावयेत्
- (D) धन

91. प्रयोजनेच्छाजनित क्रिया विषय व्यापार है।

- (A) आर्थिभावना
- (B) अर्थ
- (C) धर्म
- (D) शाब्दीभावना

92. 'यंजेत' में यज धातु का अर्थ है-
- (A) याग  
(B) त्याग  
(C) प्रयास  
(D) प्रतिज्ञा
93. अपौरुषेयं वाक्यं .....।।
- (A) मीमांसा  
(B) वेदः  
(C) शोभनं  
(D) प्रमाणं
94. स च विधि-मन्त्र-नामधेय-निषेधार्थवाद भेदात्  
.....।।
- (A) पञ्चविधः  
(B) त्रिविधिः  
(C) द्विविधः  
(D) नवविधा
95. अज्ञात इष्ट का ज्ञान कराने वाला वेद का अंश  
क्या है।
- (A) निषेध  
(B) मंत्र  
(C) विधि  
(D) नामधेय
96. वह क्या है जो 'उस प्रकार के प्रयोजनवान् धर्म का  
विधान करने से सार्थक है जिस प्रकार का विषय  
(उसके अतिरिक्त) किसी दूसरे प्रमाण में उक्त नहीं  
होता।'
- (A) विधि  
(B) मंत्र  
(C) अर्थवाद  
(D) नामधेय
97. 'अग्निहोत्रं जुहुयात्स्वर्गकाम' यह है.....
- (A) सरलवाक्य  
(B) विधि वाक्य  
(C) असत्य  
(D) साधारण वाक्य
98. 'ज्योतिष्टेमेन स्वर्गकामो यजेत्' यह एक .....  
है।
- (A) निषेधवाक्य  
(B) अर्थवाद  
(C) विधिवाक्य  
(D) नामधेय
99. अर्थसंग्रह के अनुसार विधि कितने प्रकार का है-
- (A) चार  
(B) आठ  
(C) दस  
(D) बीस
100. विधि के प्रकार के अन्तर्गत नहीं आता है-
- (A) उत्पत्तिविधि  
(B) विनियोग  
(C) अधिकारि  
(D) कला

**Rough Work**  
रफ़ कार्य

**Example :**

Question :

- Q. 1    (A)    ●    (C)    (D)
- Q. 2    (A)    (B)    ●    (D)
- Q. 3    (A)    ●    (C)    (D)

5. Each question carries equal marks. Marks will be awarded according to the number of correct answers you have.
6. All answers are to be given on OMR Answer Sheet only. Answers given anywhere other than the place specified in the answer sheet will not be considered valid.
7. Before writing anything on the OMR Answer Sheet, all the instructions given in it should be read carefully.
8. After the completion of the examination candidates should leave the examination hall only after providing their OMR Answer Sheet to the invigilator. Candidate can carry their Question Booklet.
9. There will be no negative marking.
10. Rough work, if any, should be done on the blank pages provided for the purpose in the booklet.
11. To bring and use of log-book, calculator, pager & cellular phone in examination hall is prohibited.
12. In case of any difference found in English and Hindi version of the question, the English version of the question will be held authentic.

**Impt. On opening the question booklet, first check that all the pages of the question booklet are printed properly. If there is any discrepancy in the question booklet, then after showing it to the invigilator, get another question booklet of the same series.**

**उदाहरण :**

प्रश्न :

- प्रश्न 1    (A)    ●    (C)    (D)
- प्रश्न 2    (A)    (B)    ●    (D)
- प्रश्न 3    (A)    ●    (C)    (D)

5. प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। आपके जितने उत्तर सही होंगे, उन्हीं के अनुसार अंक प्रदान किये जायेंगे।
6. सभी उत्तर केवल ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक (OMR Answer Sheet) पर ही दिये जाने हैं। उत्तर-पत्रक में निर्धारित स्थान के अलावा अन्यत्र कहीं पर दिया गया उत्तर मान्य नहीं होगा।
7. ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक (OMR Answer Sheet) पर कुछ भी लिखने से पूर्व उसमें दिये गये सभी अनुदेशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लिया जाये।
8. परीक्षा समाप्ति के उपरान्त परीक्षार्थी कक्ष निरीक्षक को अपनी OMR Answer Sheet उपलब्ध कराने के बाद ही परीक्षा कक्ष से प्रस्थान करें। परीक्षार्थी अपने साथ प्रश्न-पुस्तिका ले जा सकते हैं।
9. निगेटिव मार्किंग नहीं है।
10. कोई भी रफ कार्य, प्रश्न-पुस्तिका में, रफ-कार्य के लिए दिए खाली पेज पर ही किया जाना चाहिए।
11. परीक्षा कक्ष में लॉग-बुक, कैल्कुलेटर, पेजर तथा सेल्युलर फोन ले जाना तथा उसका उपयोग करना वर्जित है।
12. प्रश्न के हिन्दी एवं अंग्रेजी रूपान्तरण में भिन्नता होने की दशा में प्रश्न का अंग्रेजी रूपान्तरण ही मान्य होगा।

**महत्वपूर्ण :** प्रश्न-पुस्तिका खोलने पर प्रथमतः जाँच कर देख लें कि प्रश्न-पुस्तिका के सभी पृष्ठ भलीभाँति छपे हुए हैं। यदि प्रश्न-पुस्तिका में कोई कमी हो, तो कक्षनिरीक्षक को दिखाकर उसी सीरीज की दूसरी प्रश्न-पुस्तिका प्राप्त कर लें।